

विशेष सर्वेक्षण: भारत की बेस्ट यूनिवर्सिटी

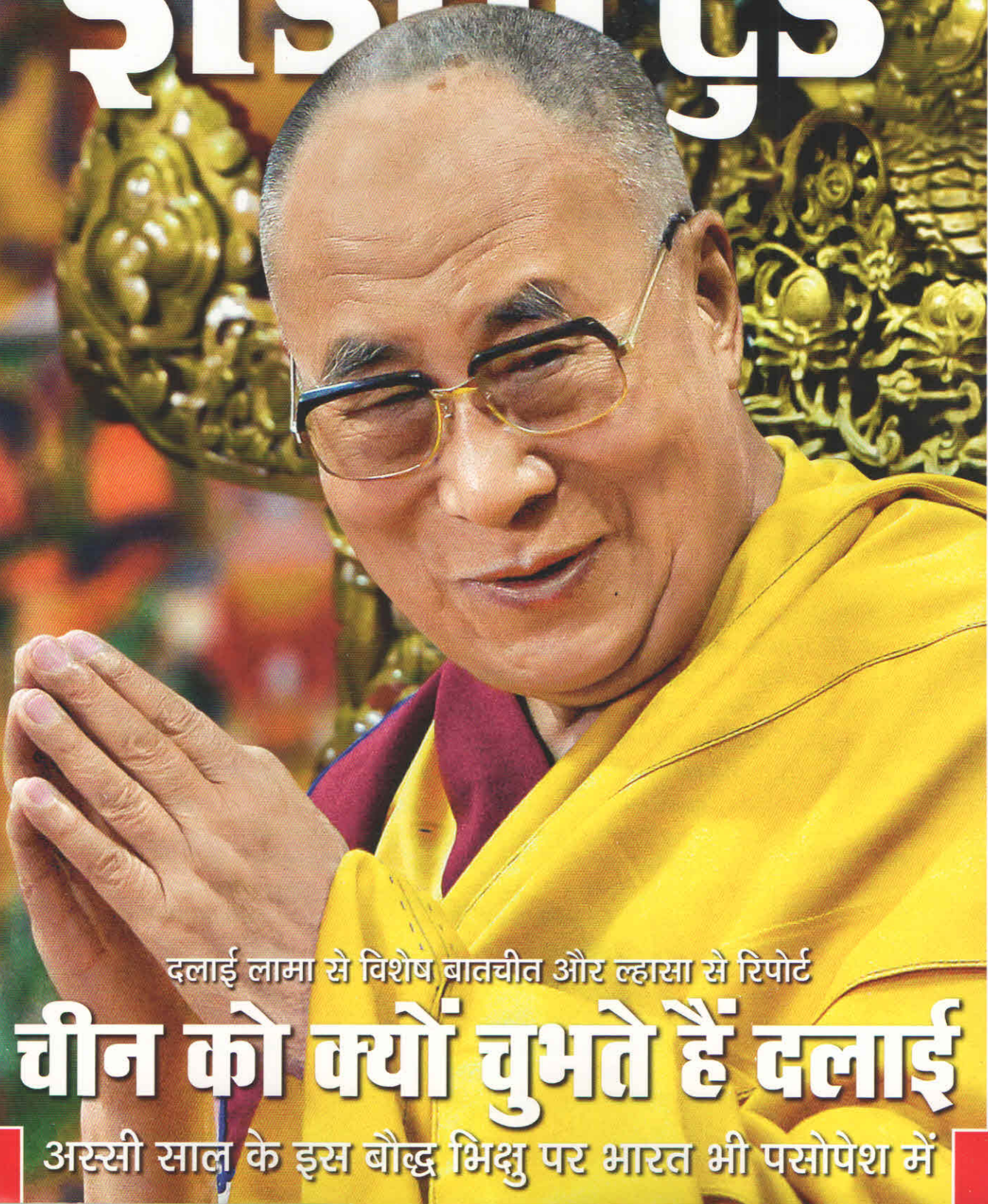
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT 1528



15 जुलाई 2015

20 रुपए

इंडिया टुडे



दलाई लामा से विशेष बातचीत और ल्हासा से रिपोर्ट

चीन को क्यों चुभते हैं दलाई

अरसी साल के इस बौद्ध भिक्षु पर भारत भी पसोपेश में

www.indiatodayhindi.in

RNI NO. 45523/86 REGISTERED NO. FARIDABAD/46/2014-16; DL(ND)-11/6042/2015-2017; UCI-31/2015-2017

हम गुणवत्ता के मंत्र का पालन करते हैं



■ डॉ. के.के. रैना, उप कुलपति, डीआईटी यूनिवर्सिटी

1. जो, हमें अपने समकालीनों से अलग साबित करता है।

हमारा विश्वविद्यालय राज्य का प्रमुख विश्वविद्यालय है। गुणवत्ता वह मंत्र है, जिसका अनुसरण हम करते हैं। हम हर क्षेत्र में गुणवत्ता बनाये रखने की कोशिश करते हैं। विवि के भागीदारों का विश्वास है कि शिक्षा कभी भी व्यावसायिक उत्पाद नहीं हो सकती, बल्कि यह मानवग्राही है। शिक्षा प्रदान करने तथा गुणवत्ता बनाये रखने को लेकर हम बहुत सजग हैं क्योंकि शिक्षा का संबंध व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्माण से है। हम न केवल अभियांत्रिकी बल्कि व्यक्ति की मानव अभियांत्रिकी पर भी ध्यान देते हैं।

2. छात्रों के बीच आज के सर्वाधिक पसंदीदा पाठ्यक्रम।

डीआईटी यूनिवर्सिटी के सभी पाठ्यक्रम छात्रों द्वारा सर्वाधिक पसंद किये जाते हैं क्योंकि प्रवेश के बाद कोई सीट खाली नहीं बचती। ऐसा इसलिए कि हम एक ऐसे परिवेश को प्रोत्साहित करते हैं जहाँ उद्योग के साथ सहयोग समृद्ध होता है। हम सभी जानते हैं कि अधिकतर मामलों में स्नातक करने के बाद छात्र व अभिभावक बढिया प्लेसमेंट चाहते हैं। अतः इस विवि का एकमात्र लक्ष्य छात्रों को उद्योग सक्षम तथा कारपोरेट जगत की मौजूदा चुनौतियों का मजबूती से सामना करने योग्य बनाना है।

3. हमारे पाठ्यक्रमों में शिक्षाशास्त्रीय नवीनता।

हम छात्रों तथा उद्योगजगत की नब्ज पहचानने को लेकर अतिसंवेदनशील हैं। गतिशील उद्योग से तालमेल बिठाने हेतु पाठ्यक्रम में संशोधन-सुधार को लेकर दृढ़ता बनी हुई है। जिस गति से तकनीकी बदलाव हो रहे हैं, उसे लेकर हम सजग हैं। इस दर्शन के साथ हम उद्योगों तथा दूसरे क्षेत्रों को कुशाग्र प्रतिभाओं का समूह मुहैया कराने में सक्षम हैं। विशेष जोर व्यक्ति के संपूर्ण विकास पर है।

हमारा विवि पूरी तरह छात्र केंद्रित है, जहाँ हम न्यायसंगत, खुली तथा पारदर्शी शैक्षिक प्रणाली का पालन करते हैं।

एलेन 'विजयोत्सव-2015' में कर्णधारों को मिले सम्मान

एलेन वार्षिक समारोह : कोटा में हुई आईआईटी एवं एम्स के रैंकर्स की अनुगूँज। एलेन ने टॉपर्स को मैडल, नकद पुरस्कार एवं अगले 4 वर्ष के लिए स्कॉलरशिप से नवाजा।

इस वर्ष देश की प्रमुख मेडिकल एवं आईआईटी प्रवेश परीक्षाओं में संस्कारों के पथ पर शीर्ष सफलता हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को एलेन कॅरिअर इंस्टीट्यूट के 'विजयोत्सव-2015' समारोह में सम्मानित किया गया। रविवार को जवाहर नगर में एलेन के सत्यार्थ कैंपस में हुए भव्य समारोह में इस वर्ष आईआईटी-जेईई एडवांस्ड में शीर्ष रैंक से चयनित होने वाले विद्यार्थियों को तालियों की गूँज के साथ मैडल एवं आकर्षक नकद पुरस्कारों से नवाजा गया।

इस उल्लासित एवं गरिमायुी समारोह में एलेन परिवार की माताश्री कृष्णा देवी मानघना के सानिध्य में निदेशक श्री गोविंद माहेश्वरी, श्री राजेश माहेश्वरी, श्री नवीन माहेश्वरी एवं श्री बृजेश माहेश्वरी ने ऑल इंडिया रैंक-18 पर सफल क्लासरूम छात्र दिव्यांश पारीक को 2 लाख रुपए का चेक व मैडल देकर मेहनत के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर मेरिट सूची में टॉप-100 रैंक प्राप्त करने वाले 12 अन्य क्लासरूम विद्यार्थियों को 1-1 लाख रुपए के चेक एवं मैडल प्रदान किए गए।

श्री बृजेश माहेश्वरी ने कहा कि एलेन के होनहार बच्चों ने शीर्ष रैंक पाकर अपने शहर, राज्य और देश का मान बढ़ाया है। इस वर्ष जेईई-एडवांस्ड में संस्थान के टॉप-100 में 14 कर्णधारों ने कामयाबी के नए कीर्तिमान रचे। इनमें से 7 केवल कोटा शहर से हैं। संस्थान से कुल 2363 विद्यार्थियों के सलेक्शन से रिजल्ट क्वांटिटी के साथ क्वालिटी में भी बेहतर रहे। बच्चों की आज की खुशी के ये पल सुनहरे कल में बदल जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक आईआईटी की हर ब्रांच में एलेन के विद्यार्थी पहुंचें। उन्होंने जेईई-एडवांस्ड 2014 के ऑल इंडिया टॉप चित्रांग मुर्दिया और एआईआर-8 पर चयनित अमेय गुप्ता के साथ गीत-मेरे देश की धरती सोना उगले... सुनाकर विजेताओं का उत्साह बढ़ाया।

अभिभावकों के साथ मिला सम्मान : समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद अभिभावकों के बीच एलेन के 14 विद्यार्थी दिव्यांश पारीक रैंक-18, कार्तिक सिंघल रैंक-21, क्षितिज गर्ग रैंक-23, आकाश त्रेहान रैंक-24, क्षितिज जैन रैंक-36, अक्षत गुप्ता रैंक-40, विश्वजीत सिंह रैंक-48, जतिन अरोड़ा रैंक-54, शेषांश अग्रवाल रैंक-58, प्रणय अग्रवाल रैंक-59, मुकुल चतुर्वेदी रैंक-73, रौनक अग्रवाल रैंक-77, सार्थक मिश्रा रैंक-93 एवं तन्मय बंसल रैंक-99 को पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर ने जेईई-एडवांस्ड और एम्स के टॉपर्स को एजुकेशन लोन के लिए अग्रिम स्वीकृति पत्र सौंपे।

राजस्थान की स्टेट ऑफ आर्ट यूनिवर्सिटी "जेकेएलयू"

एक शताब्दी से पुराने और समृद्ध औद्योगिक घराने "जे.के. समूह" द्वारा स्थापित और लक्ष्मीपत सिंघानिया फाउण्डेशन फॉर हायर लर्निंग द्वारा राजस्थान निजी विश्वविद्यालय एक्ट के तहत प्रवर्तित जेकेएलयू में अबल दर्जे की शैक्षणिक सुविधाएँ तथा प्रबंध और अभियांत्रिकी के पोस्ट ग्रेजुएट व पीएचडी प्रोग्राम भी सम्मिलित हैं।

विद्यार्थियों के लिये खुले-हरित और उच्च तकनीक युक्त इस शिक्षा परिसर में पुरातनकाल के गुरुकुल जैसे सुकून भरे और अत्याधुनिक तकनीकी संवर्द्धन वाले इस परिसर में केमिकल, सिविल, कम्प्यूटर साइन्स, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्प्युनिकेन्स और मेकेनिकल इंजीनियरिंग के चार वर्षीय बीटेक, दो वर्षीय एमटेक और समिन्चित पांच वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी कार्यक्रम दिये गए हैं। यहां के पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को न केवल वर्तमान समय के अनुरूप बल्कि भविष्य में भी नेतृत्व क्षमता देने और नित-नये व्यवसायिक बदलावों के मद्देनजर निरन्तर अपडेट करने का प्रावधान रखा गया है। जे.के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निरन्तर यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमन्स (यूएसए), हयांग यूनिवर्सिटी साउथ कोरिया, सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए, युनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वज यूके, स्थिचेपी इस्तवान यूनि. हंगरी की तरह फेकल्टी डवलपमेंट और स्टूडेंट एक्सचेंज एण्ड रिसर्च कार्यक्रमों के रूप में उभर रही है।